



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2637]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 11, 2018/आषाढ़ 20, 1940

No. 2637]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 11, 2018/ASHADHA 20, 1940

विद्युत मंत्रालय

(केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण)

आदेश

नयी दिल्ली, 6 जुलाई, 2018

का. आ. 3391(अ).—जबकि मेसर्स एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ़ राजस्थान लिमिटेड (ई.एस.यू.सी.आर.एल.), आवेदक, जिसका पंजीकृत कार्यालय: ऑफिस नं. एफ 2, पहला तल, जगदम्बा टावर, आम्रपाली सर्कल, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान 302021 है, ने “कनेक्टिविटी सिस्टम ऑफ 750 मेगावाट फ्लौदी - पोखरण सोलार पावर पार्क, जैसलमेर, राजस्थान” पारेषण योजना के तहत बिजली की तारें बिछाने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत प्राधिकृत करने हेतु आवेदन किया है।

और जबकि, के.वि.प्रा., विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र सं. 1/3/PSPA-I/2017/11-12 दिनांक 02.01.2018 के द्वारा “कनेक्टिविटी सिस्टम ऑफ 750 मेगावाट फ्लौदी - पोखरण सोलार पावर पार्क, जैसलमेर, राजस्थान” पारेषण योजना के लिए मेसर्स एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ़ राजस्थान लिमिटेड को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 68(1) के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों के लिए पूर्व अनुमोदन प्रदान किया था।

ई.एस.यू.सी.आर.एल. सौर पार्क - 765/400/220 के.वी. भादला पूलिंग स्टेशन से 220 के.वी. डी/सी लाइन (सामान्य वोल्टेज के तहत 750 मेगावाट ले जाने के लिए उपयुक्त उच्च क्षमता वाले कंडक्टर के साथ) दोनों सिरों पर जुड़े लाइन बे के साथ (765/400/220 केवी भादला पूलिंग स्टेशन पर जी.आइ.एस. लाइन बे)

और अब आवेदक ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत “कनेक्टिविटी सिस्टम ऑफ 750 मेगावाट फलौदी - पोखरण सोलार पावर पार्क, जैसलमेर, राजस्थान” पारेषण योजना के तहत विद्युत लाइनों बिछाने के लिए उसे वे सभी शक्तियां प्रदान करने का अनुरोध किया है, जो टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा स्थापित टेलीग्राफ लाइनों और खंबों या उनके रख-रखाव के लिए या स्थापित होने वाली टेलीग्राफ लाइनों और खंबों या उनके रख-रखाव के लिए भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास है। पारेषण योजना के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हैं:

पारेषण लाइन:

220 के.वी. डी/सी (उच्च क्षमता कंडक्टर) ई.एस.यू.सी.आर.एल. सौर पावर पार्क - 765/400/220 के.वी. भादला पुलिंग स्टेशन से ट्रांसमिशन लाइन

स्कीम के अंतर्गत पारेषण लाइन निम्नलिखित गांवों, नगरों और शहरों से, उनके ऊपर से, उनके आस-पास से तथा उनके बीच से गुजरेगी:—

क्रम सं.	गांव का नाम	तहसील	जिला
1.	उरगास मंढा, हाजीरो की धानी, रायरा, शिवपुरा	फलौदी	जोधपुर
2.	पांच पीपली, अड़का, डिग्गी, पंजी की धानी, नरावतों की धानी, सिरनेथा, टीका माली, दूधिया, उदावतों की धानी	संकरा	जैसलमेर
3.	मशाला, सिहरा, मेरेरी तलाव, दुर्गानी, बिल्डनसिंह की धानी, भेनूसिंग की धानी, बड़ी कनासी, जोधानी, टेपू, मदपुरा, अनोपनागेल, मोडकी, अमरे की बेरा, देदाश्री, रनेरी, खाखुरी, सिनवारी तलाव, भूराज, गुलाम की धानी	बाप	जोधपुर

अब, सावधानीपूर्वक विचार करने के पश्चात, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत, लाइसेंसधारी (मेसर्स एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड) को अंतरराज्यीय विद्युत प्रसारण के लिए उपरोक्त अंतरराज्यीय पारेषण लाइनों को लगाने के लिए वे सभी शक्तियां निम्नलिखित निबंधनों एवं शर्तों के साथ प्रदान करता है, जो टेलीग्राफ के उद्देश्य के लिए सरकार द्वारा स्थापित टेलीग्राफ लाइनों और खंबों या उनके रख-रखाव के लिए या स्थापित होने वाली टेलीग्राफ लाइनों और खंबों या उनके रख-रखाव के लिए भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास है –

- यह अनुमोदन 25 वर्षों के लिए प्रदान किया जाता है।
- आवेदक को प्रस्तावित लाइनों की स्थापना से पूर्व संबंधित प्राधिकारियों अर्थात् स्थानीय निकायों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग आदि की सहमति प्राप्त करनी होगी।
- आवेदक को विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत समुचित आयोग के द्वारा तैयार किए गए पारेषण, ओ एंड एम (संचालन एवं संधारण), ओपन एक्सेस आदि के विनियमों/संहिताओं का पालन करना होगा।
- आवेदक को “कनेक्टिविटी सिस्टम ऑफ 750 मेगावाट फलौदी - पोखरण सोलार पावर पार्क, जैसलमेर, राजस्थान” पारेषण योजना के तहत बिजली की तारें बिछाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।
- निर्माण कार्यों का ब्यौरा दिनांक 24.02.2018 से 02.03.2018 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है।
- आवेदक संबंधित केंद्र सरकार के विद्युत निरीक्षक/मुख्य विद्युत निरीक्षक के अनुमोदन के पश्चात ही लाइनों का प्रचालन करेगा।

- (vii) यह अनुमोदन आवेदक द्वारा विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन किए जाने के अध्यधीन है।
- (viii) मेसर्स एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड को विद्युत निरीक्षण के समय विमानन एवं रक्षा प्राधिकरणों इत्यादि, से अपेक्षित अनुमति को प्राप्त करने के बाद, इसे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को विद्युत निरीक्षण के समय प्रस्तुत करना होगा।

[फा. सं. 164/ई.एस.यू.सी.आर.एल./एन आर/पी. एस. पी. एंड ए.-I/2018]

पी.सी. कुरील , सचिव, के.वि.प्रा.

MINISTRY OF POWER

(Central Electricity Authority)

ORDER

New Delhi, the 6th July, 2018

S.O. 3391(E).—Whereas M/s Essel Saurya Urja Company of Rajasthan Limited (ESUCRL), the applicant with its registered office at Office No. F2, 1st Floor, "Jagdamba Tower", Amarapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur, Rajasthan - 302021 has applied for authorization under Section 164 of the Electricity Act, 2003 for laying of electric lines under the transmission scheme "**Connectivity System of 750 MW Phalodi - Pokhran Solar Power Park, Jaisalmer, Rajasthan**".

And whereas CEA, Ministry of Power, Government of India vide its letter No. 1/3/PSPA-I/2017/11-12 dated 02.01.2018 had granted prior approval under section 68 (1) of the Electricity Act, 2003 to M/s. Essel Saurya Urja Company of Rajasthan Limited (ESUCRL) for the transmission scheme "Connectivity System of 750 MW Phalodi - Pokhran Solar Power Park, Jaisalmer, Rajasthan" with following scope of work:

ESUCRL Solar Park - 765/400/220 kV. Bhadla Pooling station 220 kV. D/C line (With High capacity conductor suitable for carrying 750 MW under nominal voltage) along with associated line bays at both ends (GIS Line bays at 765/400/220 kV. Bhadla Pooling Station).

And now the applicant has requested to confer upon him, all the powers under section 164 of the Electricity Act, 2003, which the telegraph authority possess under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purpose of a telegraph established or maintained by Government or to be so established or maintained for laying of electric lines under the transmission scheme "Connectivity System of 750 MW Phalodi - Pokhran Solar Power Park, Jaisalmer, Rajasthan" with the following scope of work:

Transmission Line:

220kV D/C (High Capacity Conductor) ESUCRL Solar Power Park - 765/400/220 kV. Bhadla Pooling Station Transmission Line.

The transmission line covered under the above scheme will pass through, over, around and between the following villages, towns and cities:

S. No	Name of Villages	Tehsil	District
1.	Urgas Mandha, Hajiron Ki Dhani, Rayra, Shivpura	Pholadi	Jodhpur
2.	Panch Pipali, Aika, Diggi, Panji Ki Dhani, Naravaton Ki Dhani, Sirnaytha, Tika Mali, Dudhiya, Udavaton Ki Dhani	Sankra	Jaisalmer
3.	Mashala, Sihra, Mereri Talav, Durgani, Buildansingh Ki Dhani, Bhenusingh Ki Dhani, Badi Kanasi, Jodhani, Tepu, Madpura, Anopnagel, Modki, Amre Ki Bera, Dedasri, Raneri, Khakhuri, Sinvari Talav, Bhuraj, Gulam Ki Dhani	BAP	Jodhpur

Now, therefore, after careful consideration, Central Electricity Authority, Government of India, confers, under Section 164 of Electricity Act, 2003, all the powers on the Licensee (M/s Essel Saurya Urja Company of Rajasthan Limited) which telegraph authority possesses under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained subject to following terms and conditions for installing the above mentioned Inter-State transmission lines for Inter-State transmission of electricity, namely-

- (i) The approval is granted for 25 years.
- (ii) The Applicant shall have to seek the consent of the concerned authorities i.e. local bodies, Railways, National Highways, State Highways etc. before erection of proposed lines.
- (iii) The Applicant shall have to follow regulations/codes of the Appropriate Commission regarding transmission, O&M, open access, etc., framed under Electricity Act, 2003.
- (iv) The Applicant has been entrusted with the responsibility for laying of electric lines under the transmission scheme "Connectivity System of 750 MW Phalodi - Pokhran Solar Power Park, Jaisalmer, Rajasthan".
- (v) The details of the works are published in the Gazette of India dated 24th Feb – 02nd March, 2018.
- (vi) The Applicant shall operate the lines after approval of Electrical Inspector / Chief Electrical Inspector of Central Government;
- (vii) The approval is subject to compliance of the requirement of the provisions of the Electricity Act, 2003 and the rules made there under by the applicant.
- (viii) M/s. Essel Saurya Urja Company of Rajasthan Limited (ESUCRL) shall have to submit the requisite clearances to Central Electricity Authority after obtaining the same from concerned authorities like Civil Aviation, Defence etc., at the time of Electrical Inspection.

[F. No. 164/ESUCRL/NR/PSPA-I/2018]

P. C. KUREEL, Secy., CEA